समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 22 September 2026

Zoho का देसी मैसेजिंग ऐप Arattai WhatsApp को नहीं दे पाया टक्कर, प्ले स्टोर टॉप 100 से हुआ बाहर

Publisher

Published on 05 Nov 2025

भारतीय तकनीकी कंपनी Zoho का अपना देसी मैसेजिंग ऐप Arattai शुरुआत में काफी लोकप्रिय साबित हुआ। सितंबर और अक्टूबर के महीनों में इस ऐप ने हजारों डाउनलोड हासिल किए और इसे प्ले स्टोर पर काफी सराहना मिली। उपयोगकर्ताओं ने इसकी यूजर-फ्रेंडली इंटरफेस और फीचर्स की तारीफ की। इस दौरान ऐसा लग रहा था कि Arattai धीरे-धीरे WhatsApp जैसी विदेशी मैसेजिंग ऐप को टक्कर दे सकता है।

लेकिन जैसे ही नवंबर आया, Arattai की लोकप्रियता में अचानक गिरावट आने लगी। प्ले स्टोर पर इसकी रेटिंग घटने लगी और यूजर्स ने इसे अब पहले जैसा पसंद नहीं किया। रिपोर्ट्स के अनुसार, ऐप की रैंकिंग टॉप 100 ऐप्स की लिस्ट से बाहर हो गई है। तकनीकी विशेषज्ञों का मानना है कि इसकी यह गिरावट मुख्य रूप से यूजर्स के अनुभव और फीचर कमियों के कारण हुई।

Zoho के Arattai ऐप में कई ऐसे फीचर्स थे जो इसे WhatsApp और अन्य मैसेजिंग ऐप्स से अलग बनाते थे। इसमें चैट, वॉयस मैसेज, मीडिया शेयरिंग और कुछ सुरक्षा फीचर्स मौजूद थे। शुरुआती दौर में यूजर्स को इसकी देसी पहचान और डेटा सुरक्षा की गारंटी काफी पसंद आई। लेकिन समय के साथ ऐप में नियमित अपडेट और यूजर-फीडबैक का अभाव इसे नुकसान पहुंचाने लगा।

विशेषज्ञों ने कहा कि ऐप की स्थिरता और यूजर इंटरफेस में लगातार सुधार न होने के कारण ही लोग इसे छोड़कर अन्य लोकप्रिय मैसेजिंग प्लेटफॉर्म पर वापस चले गए। कई यूजर्स ने प्ले स्टोर पर रिव्यू में लिखा कि ऐप में फीचर्स की कमी और कुछ तकनीकी गड़बड़ियों के कारण उनका अनुभव ठीक नहीं रहा। इसी वजह से इसकी रेटिंग में गिरावट आई।

Zoho की टीम ने हालांकि इस गिरावट को गंभीरता से लिया है और कहा है कि वे जल्द ही नए अपडेट और सुधार के जरिए ऐप को फिर से लोकप्रिय बनाने का प्रयास करेंगे। कंपनी ने घोषणा की है कि अगले कुछ महीनों में यूजर फ्रेंडली फीचर्स, बेहतर सिक्योरिटी

और नए टूल्स शामिल किए जाएंगे, ताकि Arattai की वापसी टॉप रैंकिंग में संभव हो सके।

तकनीकी विश्लेषकों का कहना है कि देसी मैसेजिंग ऐप्स के लिए सबसे बड़ा चुनौती WhatsApp जैसी मजबूत प्रतिस्पर्धा है। WhatsApp ने लंबे समय से भारतीय यूजर्स के बीच मजबूत पकड़ बना रखी है। नए ऐप्स को न सिर्फ फीचर में बेहतर होना पड़ता है बल्कि यूजर बेस बनाने और बनाए रखने के लिए लगातार अपडेट और सपोर्ट भी देना पड़ता है। Arattai की शुरुआती लोकप्रियता ने उम्मीद बढ़ाई थी, लेकिन टिकाऊ सफलता के लिए लगातार सुधार आवश्यक है।

साइबर सुरक्षा और डेटा प्राइवेसी की दृष्टि से Arattai का प्रयास सराहनीय था। भारतीय यूजर्स को अपने डेटा पर अधिक नियंत्रण देने और स्थानीय सर्वर के माध्यम से सुरक्षित चैटिंग का विकल्प देना कंपनी का बड़ा कदम था। हालांकि, तकनीकी कमियां और यूजर अनुभव की समस्याओं ने ऐप की लोकप्रियता को कम कर दिया।

Arattai की स्थिति यह दिखाती है कि मोबाइल ऐप मार्केट में शुरुआती हिट होना काफी नहीं है। यूजर रेटिंग, नियमित अपडेट, फीचर इम्प्रूवमेंट और मार्केटिंग की रणनीति तय करती है कि ऐप लंबे समय तक सफलता हासिल कर पाएगा या नहीं। Zoho के लिए यह समय चुनौतियों भरा है, लेकिन यदि वे यूजर फीडबैक के आधार पर सुधार करते हैं तो Arattai एक बार फिर टॉप रैंकिंग में लौट सकता है।

इस घटना ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि भारतीय यूजर्स टेक्नोलॉजी में संवेदनशील हैं और उन्हें फीचर्स के साथ स्थिर और भरोसेमंद ऐप्स की आवश्यकता है। Zoho की कोशिशों से यह उम्मीद जताई जा सकती है कि भविष्य में Arattai नए अपडेट और फीचर्स के साथ वापसी करेगा और WhatsApp जैसी मजबूत प्रतियोगिता का मुकाबला करने में सक्षम होगा।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.